



PROF. C. I. ISSAC

Prof. C. I. Issac, Member of Indian Council of Historical Research is an eminent litterateur.

2. Born on 14th December 1952 in Chelakombu village in Kottayam District of Kerala, Prof. Issac after completing primary education at CMS UPS Chelakombu, pursued further education in History at the NSS Hindu College, Changanacherry of Kottayam District. He procured a Master's degree in History from Kerala University, Trivandrum. In 1978, he joined as a Lecturer at the prestigious CMS College Kottayam, and in 1995, he bagged a Ph. D from MG University Kottayam. After retiring as the Head of the Department of History in 2008, he has dedicated his time to numerous research works in History and literature.

3. Prof. Issac is the member of the Indian Council for Historic Research since April, 2015. He has also served as the Chairperson of the National Educational Reform Committee for Social Sciences in the NCERT programme. He has been working with the intellectual forum of Bharatheeya Vichara Kendram since 1980 in various capacities as General Sectary, Vice President and Working President. The association with Bharatheeya Vichara Kendram helped him strive for positive social changes. He was able to bring several unnoticed social, economic, cultural and historical problems to the attention of contemporary society through the association of Bharatheeya Vichara Kendram.

4. Prof. Issac has published twenty five research papers in History and Literature, in various reputed academic journals of India and abroad. In addition, he has published twelve books, six of which were in English and six in Malayalam. The books addressed several social, literary and ageold historical problems.



प्रो. सी. ऐ. ऐसक

प्रो. सी. ऐ. ऐसक, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद के सदस्य, एक प्रतिष्ठित साहित्यकार हैं।

2. 14 दिसंबर, 1952 को केरल के कोट्टायम जिले के चेलाकोम्बु गांव में जन्मे, प्रो. ऐसक ने सीएमएस यूपीएस चेलाकोम्बु में प्राथमिक शिक्षा पूरी करने के बाद, कोट्टायम जिले के चंगनाचेरी के एनएसएस हिंदू कॉलेज से इतिहास में आगे की शिक्षा हासिल की। उन्होंने केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेंद्रम से इतिहास में स्नातकोत्तर किया। 1978 में, वह प्रतिष्ठित सीएमएस कॉलेज कोट्टायम में व्याख्याता बने, और 1995 में, उन्होंने एमजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम से पीएच.डी किया। 2008 में इतिहास के विभागाध्यक्ष के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद, उन्होंने इतिहास और साहित्य में कई शोध कार्य किए हैं।

3. प्रो. ऐसक अप्रैल, 2015 से भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद के सदस्य हैं। वह एनसीईआरटी कार्यक्रम में सामाजिक विज्ञान के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक सुधार समिति के अध्यक्ष भी रहे हैं। वह 1980 से प्रबुद्ध मंच भारतीय विचार केंद्र के साथ जुड़े हुए हैं, और महासचिव, उपाध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में विभिन्न पदों पर काम किया है। भारतीय विचार केंद्र के साथ जुड़ाव से उन्हें सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रयास करने में मदद मिली। वह भारतीय विचार केंद्र के सहयोग से कई छिपी हुई सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समस्याओं को समकालीन समाज के समक्ष उजागर करने में सफल हुए।

4. प्रो. ऐसक ने भारत और विदेश की विभिन्न प्रतिष्ठित अकादमिक पत्रिकाओं में इतिहास और साहित्य के पच्चीस शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। इसके अलावा, उन्होंने बारह पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जिनमें से छह अंग्रेजी में और छह मलयालम में हैं। इन पुस्तकों में कई सामाजिक, साहित्यिक और सदियों पुरानी ऐतिहासिक समस्याओं का उल्लेख किया गया है।